भाभीजान की जबरदस्त चूत गांड चुदाई

“मैं अपनी रियल भाभीजान को चोदना चाहता था
लेकिन भाभी हत्थे नहीं चढ़ रही थी. आखिर एक दिन
सोती हुई भाभी के बदन को मैं सहलाने लगा तो … तो
क्या हुआ ? …”

Story By: (ahmak)
Posted: Sunday, February 10th, 2019
Categories: भाई बहन
Online version: भाभीजान की जबरदस्त चूत गांड चुदाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाभीजान की जबरदस्त चूत गांड चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम फ़ैजल है, ये बदला हुआ नाम है. मेरी उम्र 23 साल है. मैं मेरठ का रहने वाला हूँ.

अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली रियल सेक्स स्टोरी है, जो कि मेरे और मेरी भाभीजान के बीच की है. यह तब की बात है, जब मैं 21 साल का था. मेरी भाभी का नाम रुबैया (बदला हुआ) है. उनकी उम्र 39 साल की है. जब ये मामला हुआ, तब उनकी उम्र 37 साल की थी. उनका 36-32-38 का फिगर.. माशाअल्लाह गजब का था, भाभी बहुत ही सेक्सी लगती थीं. भाभी बहुत ही मस्त माल थीं. मेरा तो उनके तने हुए मम्मों को ही देख कर लंड मचल जाता था.

दरअसल मेरी भाभी के कोई बच्चा नहीं था. जबकि उनकी शादी को काफ़ी टाइम हो गया था. इस वजह से वो थोड़ी उदास रहती थीं.

इधर मैं बाथरूम में टंगी भाभी की ब्रा में अक्सर मुठ मार देता था. मैं भाभी को चोदने की कोशिश में लगा हुआ था. मेरी खोपड़ी सारे दिन यही सोचती रहती थी कि किस तरह से भाभी को चोदा जाए.

एक दिन हमारे परिवार के सभी लोगों को एक शादी में जाना था. किसी कारणवश मैं और भाभी नहीं गए. भाभी का कुछ इश्यू था और मुझे शादियों में ज्यादा जाना पसंद नहीं है.

जब सब चले गए, उसके बाद भाभी ने और मैंने खाना खाया. फिर हम दोनों टीवी देखा और सोने चले गए.
भाभी थोड़ी देर बाद मेरे रूम में आई और बोलीं- मेरे रूम में ही सो जाओ.

मैं उनके कमरे में चला गया और जाकर उनके बेड पर लेट गया. वो मैक्सी पहन कर मेरे बराबर में लेट गईं. कुछ देर बाद मैं जानबूझ कर हल्के स्वर में खर्राटे लेने लगा. ताकि भाभी को लगे कि मैं सो गया हूँ. इसके बाद मैं करवट बदलते हुए उनके करीब को हो गया और उनको पीछे से हग कर लिया. मैंने ऐसे रिएक्ट किया, जैसे मैं नींद में हूँ.

मेरी इस हरकत पर उन्होंने कुछ नहीं कहा, तो मैंने उनको और भी टाईटली पकड़ लिया और उनकी गांड से चिपक गया. फिर अपना एक पैर भी भाभी के कूल्हे पर रख लिया. इस स्थिति से मेरा लंड खड़ा होकर उनकी गांड में चुभने लगा. भाभी भी नींद का बहाना करके सोती रहीं.

फिर मैंने धीरे से उनके चूचे पर हाथ रखा, जब उन्होंने कोई ऐतराज नहीं किया तो मैं उनकी एक चूची को सहलाने लगा.
अब उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया और बोलीं- तू क्या कर रहा है, मुझे सब समझ आ रहा है.
उनकी कड़क आवाज से मैं डर गया और माफी माँगने लगा.
वो बोलीं- मुझे ये भी पता है कि तू मेरी ब्रा पेंटी के साथ क्या करता है.
मैं कुछ नहीं बोला, बस भाभी से माफी माँगने लगा.
वो स्वर बदलते हुए बोलीं- माफी की ज़रूरत नहीं है. तुझे पता है ना कि मुझे क्या चाहिए … अगर तू मुझे वो देगा, तो मैं किसी को कुछ नहीं बोलूँगी.
मैं अनजान बन कर बोला- मुझे नहीं पता भाभी कि आपको क्या चाहिए ?
भाभी बोलीं कि मुझे एक बच्चा चाहिए.

उनकी इस बात को सुनकर मैं मचल गया. बस फिर क्या था. मैं उनके ऊपर लगभग कूद पड़ा. वो भी खुश हो गई थीं. भाभी मुझसे लिपट गईं. मैंने उन्हें किस किया, खूब चूसा … उनके मस्त होंठों को और मम्मों को मैक्सी के ऊपर से दबाने लगा. मैं लोवर में था और

भाभी मैक्सी में अन्दर ब्लैक कलर की ब्रा पेंटी पहने हुई थीं.

फिर वो मेरे ऊपर आकर मुझे बुरी तरह से किस करने लगीं. मैं गले से मैक्सी पकड़ कर फाड़ने लगा, तो वो बोलीं- ये क्या कर रहा है ?
मैंने भाभी की बात का जबाव न देते हुए उनको किस किया और भाभी की पूरी मैक्सी फाड़ दी. उनकी ब्रा के ऊपर से उनके मस्त मम्मों को दबाने लगा. फिर में उनके ऊपर छा गया और भाभी के पूरे बदन को चाटने लगा.

वो गरमा गईं और अपने मुँह से ‘आह … उफ़फ्फ़ … आह …’ करने लगीं.
मैंने भाभी की ब्रा भी खींच कर फाड़ दी. अब भाभी जोर से बोलीं- ये क्या कर रहा है तू ?
मैं बोला- चुप रह साली … मुझे सेक्स करना ऐसे ही पसंद है.
भाभी मस्त हो गईं और मुझे चूमते हुए बड़े प्यार से बोलीं- सच्ची … अले मेला बेटू … चल कल ले अपनी मस्ती.

अब मुझे भी जोश चढ़ गया था. इसके बाद मैं भाभी की ब्रा को फाड़ कर अलग करते हुए उनके मम्मों को चूसने और दबाने लगा. कुछ पल चूचियों को जबरदस्त चूसने के मसलने के बाद मैंने नीचे की तरफ ध्यान दिया. मैं नीचे हाथ ले जाकर भाभी की पेंटी के ऊपर से ही उनकी फूली हुई चूत को सहलाने लगा. मेरे हाथ उनकी चूत को सहला रहे थे और ऊपर मैं उनके मम्मों को अब भी चूसे जा रहा था.

भाभी काफी गर्म हो चुकी थीं. वे ‘आहह उफ्फ़ आऐययइ ओह इसस्स्स …’ कर रही थीं.
फिर मैंने भाभी की पेंटी भी पकड़ कर फाड़ दी. उनकी नंगी चूत को सहलाने लगा.

अब भाभी मेरे ऊपर आकर मेरा लोवर उतारने लगीं. मैंने खुद जल्दी से अपना लोअर उतार दिया. भाभी अंडरवियर से ही मेरा खड़ा लंड देखने लगीं और हंसने लगीं.
मैं बोला- क्या हुआ ?

भाभी बोलीं- तूने बहुत कपड़े फाड़े मेरे … अब तेरी बारी है.
यह कह कर भाभी ने मेरा अंडरवियर फाड़ दिया और लंड को हाथ में पकड़ कर मुठियाने लगीं.
मैंने कहा- मुँह से मजा लो न भाभी.

मेरे कहने भर की देर थी कि भाभी ने मेरे लंड को मुँह में भर लिया और मस्ती से लंड चूसने लगीं. मेरे लंड को भाभी के मुँह की गर्मी का अहसास हुआ, तो बस मेरे मुँह से अब 'आहह भाभी.. उफफ्फ़ …' ही निकल रहा था.
मैंने भाभी को 69 पोज़ में लिया और उनकी चूत को चाटने लगा. हम दोनों एक दूसरे के लंड चूत को चाट रहे थे. कुछ ही पल बाद भाभी अकड़कर झड़ गईं और उनकी चूत का पानी मेरे मुँह में आ गया. इसके कुछ मिनट बाद मेरा भी पानी निकल गया और भाभी मेरा सारा पी गईं. मैं चित्त लेट गया और मेरा लंड एकदम से मुरझा गया था.

कुछ देर बाद भाभी उठीं. वे मेरी पूरी बॉडी को चाटने लगीं और लंड को सहलाने लगीं. भाभी के हाथ लगने से लंड जल्दी ही फिर से खड़ा हो गया.
अब भाभी बोलीं- चल लग जा खेती पर.

भाभी चित लेट गईं और अपनी चूत खोल कर मेरे लंड को खींचने लगीं. फिर मैंने पोजीशन बनाई और अपने खड़े लंड को भाभी की गर्म चूत पर लगा दिया. मैंने धक्का लगाया तो लंड फिसल गया. मेरा लंड भाभी की चूत में रपटने सा लगा था. यह मेरा फर्स्ट टाइम था. मुझे चुदाई का कोई अनुभव नहीं था. ये सब देख कर भाभी ने मेरा लंड पकड़ा और चूत की फांकों में फंसा कर मुझे पलक झपका कर इशारा दिया.

उनकी पलक झपकते मैंने ज़ोर से धक्का दे दिया. मेरा आधा लंड अन्दर घुसता चला गया. भाभी के मुँह से तेज आह निकल गई- उई अम्मी … मर गई !
मैंने उनकी इस चीख पर कोई ध्यान नहीं दिया और दूसरा धक्का भी दे दिया. दो धक्के में ही

मेरा पूरा लंड भाभी की चूत में अन्दर तक चला गया. भाभी मेरे मोटे लंड के कारण फिर से आह आह.. करने लगीं.

मैं तेज़ तेज़ धक्के मारने लगा. भाभी कराहने लगीं और चुदाई की मीठी किलकारी लेने लगीं- बस उम्म्ह… अहह… हय… याह… आहह.. उफफ्फ़ ओह.. हां मज़ा आ गया.. कहां था तू.. आह बड़ा मस्त चोदता है साले.. पेल मादरचोद.
मैं भी बोलने लगा- वाह भाभीजान, क्या चूत है तेरी.. साली कुतिया.. कितना सताया तूने.. अब मैं तुमको रोज़ चोदूँगा.
भाभी गांड उठाते हुए बोलीं- हां चोद लेना.. अभी तो पूरा मजा दे दे मेरी जान.

धकापेल चुदाई चलने लगी. भाभी अपने हाथ से मेरा सर पकड़ कर अपना दूध पिलाने लगीं. मैंने भाभी के मम्मों को चूसता हुआ उनकी चुदाई करने लगा.

करीब 15 मिनट की चुदाई में भाभी 2 बार झड़ गई थीं. अब मेरा भी रस निकलने वाला था, मैंने भाभी की चूत में ही माल छोड़ दिया और भाभी के ऊपर ही गिर गया. हम दोनों पसीने पसीने हो गए थे. मैं भाभी के ऊपर लेटा हुआ उनके मम्मों को चूसने लगा और गांड सहलाने लगा.
अब भाभी मुझे घूरने लगीं, मैं हंस दिया. फिर मैंने अपना लंड उनकी चूत से निकाल कर भाभी के मुँह में दे दिया. भाभी ने मेरे लंड को चूस कर साफ कर दिया.

फिर दस मिनट बाद मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया. अब मैंने भाभी को कुतिया बनाया.
भाभी बोलीं- ये क्या कर रहा है ?
मैंने बोला- भाभी आपकी ये सेक्सी गांड भी मारनी है मुझे.
भाभी घबरा कर बोलीं- नहीं … मैंने गांड कभी नहीं मरवाई.
मैं बोला- तो आज मरवा लो.
वो ना ना करती रहीं.

फिर मैं हार कर बोला- ठीक है, चूत में ही डालता हूँ.
उन्होंने कहा- ठीक है.

में भाभी के पीछे जाकर उनकी चूत में लंड लगा कर सहलाने लगा. साथ ही मैं भाभी की गांड के छेद को भी उंगली से कुरेद रहा था. फिर अचानक से मैंने गांड का छेद खोला और लंड को घुसाने लगा.

भाभी बहुत जोर से चीखने लगीं. जबकि अभी मेरा टोपा ही अन्दर गया था. भाभी आगे को होने लगीं. मैंने कसके भाभी की कमर पकड़ ली और धीरे धीरे लंड अन्दर करने लगा. सच में बहुत ही टाइट गांड थी.

कुछ देर की चिल्लपौं के बाद भाभी शांत हो गईं. मैंने एक करारा धक्का और मारा तो मेरा आधा लंड गांड में चला गया. भाभी फिर से रोने लगीं. वे मुझे लंड बाहर निकालने को बोलने लगीं. मैं हल्के हल्के से धक्के देकर उनको चोदने लगा.

कुछ देर की पीड़ा के बाद भाभी को मज़ा आने लगा. वो आह आह करने लगीं. तभी मैंने पूरा लंड अन्दर पेल दिया. इस बार भाभी आगे की ओर गिर गईं.
बस अब क्या था, मैंने उनकी कमर पकड़ कर अपने पास खींचा और लंड पेल कर तेज़ तेज़ धक्के देने चालू कर दिए. भाभी की मस्त टाइट गांड थी.

फिर भाभी थोड़ी देर में होश में आकर बोलीं- कुत्ते तूने लंड मेरी गांड में डाल ही दिया.. साले बड़ा हरामी है.
मैं भाभी के दूध दबाते हुए बोला- तुम तो ये बताओ मेरी जान कि मज़ा आ रहा है या नहीं ?
भाभी बोलीं- तूने तो आज मुझे पूरा मज़ा दे दिया.. दर्द के बाद मज़ा तो मुझे पता ही नहीं था.. गांड मराने में तो चूत से भी ज्यादा मज़ा आता है.

मैं तेज़ धक्कों के साथ भाभी की गांड मारने लगा. भाभी ‘आह ऑश उह और तेज़.. और तेज़..’ करने लगीं.

दस मिनट बाद मैं भाभी की गांड में झड़ गया और वैसे ही उनके ऊपर लेट गया. उस रात भाभी की चूत 3 बार और गांड 2 बार मारी.

अब मुझे जब भी मौका मिलता है, मैं भाभी को चोद देता हूँ.

कुछ महीने बाद भाभी ने बताया कि वो मेरे बच्चे की माँ बनने वाली हैं.
घर में सब खुश हो गए.

यह थी मेरी रियल सेक्स स्टोरी. आपको कैसी लगी, प्लीज़ मेल कीजिएगा.
ahmak786@gmail.com

Other stories you may be interested in

फुफेरी भाभी को दारू पिला कर चोदा

दोस्तो, अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है. मेरा नाम विजय है. वैसे तो मैं जयपुर से हूँ, लेकिन फाइनेंस बैंक में एरिया सेल्स मैंनेजर होने की वजह से पूरे राजस्थान में घूमा हूँ. मेरी लम्बाई 5 फुट 11 इंच […]
Full Story >>>

मेरी बहन की चूत चोदने का मेरा सपना

अन्तर्वासना पर मैं पहली बार मेरे साथ हुई घटना को शेयर कर रहा हूँ, जो पहले कभी सपना था अब हकीकत में बदल चुका है. मेरा नाम राहुल है और मैं जोधपुर, राजस्थान का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 28 […]
Full Story >>>

अजीब दास्ताँ है ये-4

कहानी का तीसरा भाग : अजीब दास्ताँ है ये-3 कितनी गजब की खूबसूरती थी उस लड़की में। जैसे कोई अप्सरा पड़ी हो मेरे सामने। मैंने उसके साथ लेट कर उसके सारे बदन को जहां जहां भी हो सकता था, चूमा। वो […]
Full Story >>>

मामी की जवानी को लूटा-2

रिश्तों में चुदाई की मेरी कहानी के पहले भाग मामी की जवानी को लूटा-1 में अब तक आपने पढ़ा कि मैं मामी के साथ शादी में जाने वाला था और इसी वजह से मामी मेरे साथ बाजार शॉपिंग करने गई […]
Full Story >>>

जिगोलो बनते ही मिली मजेदार कस्टमर-1

मेरा नाम राज है. मैं दिल्ली शहर का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज़ का नियमित पाठक हूं और इस साइट की लगभग हर कहानी पढ़ चुका हूँ. फिर एक दिन मेरे मन में विचार आया कि क्यों न […]
Full Story >>>